एसएमएस अस्पताल से अपहृत मासूम दिव्यांश सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी हेमेन्द्र के घर में 4 बेटियां थी, बेटे की चाहत में उसने 1 माह तक रैकी के बाद 4 महीने के दिव्यांश को चुराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगड़ यूनिट से चोरी किए गए 4 महीने के मासूम बच्चे को जयपुर पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर लिया है। 3 दिन बाद पुलिस ने बच्चे को शिप्रा पथ इलाके के रीको इंडस्ट्रियल एरिया की पवन विहार कॉलोनी से दस्तयाब किया है। बच्चे को किडनैप करने वाले आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र निवासी नदबई (भरतपुर) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेमेंद्र के घर में 4 बेटियां थी, और बेटा नहीं था। ऐसे में बेटे की चाहत में हेमेंद्र ने करीब 1 महीने तक रैकी करने के बाद 4 महीने के दिव्यांश को सवाई मानसिंह अस्पताल से चुरा लिया।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी ने वारदात को अंजाम को अंजाम देने के लिए कई दिन तक दिव्यांश के परिजनों की मदद की और उन्हें विश्वास में लिया। चार दिन पहले बांगड़ अस्पताल में मौका देख कर वह बच्चे का किडनैप कर फरार हो गया। 3 दिन तक आरोपी ने इस बच्चे को अपने घर पर छुपाए रखा। अचानक से महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर शहर के अस्पताल से गायब हुआ 4 महीने का मासूम दिव्यांश शिप्रापथ के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के पवन विहार कॉलोनी में एक मकान में देखा गया है। सूचना पर कांस्टेबल भीम सिंह खुद अकेला कॉलोनी में पहुंचा और आरोपी के बारे में सूचना जुटाना शुरू कर दिया। सूचना पुख्ता हो जाने के बाद कांस्टेबल भीम सिंह ने महेश नगर थाने की मदद से आरोपी को बच्चे के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। जब वह आरोपी के घर पर पहुंचा तो बच्चा सकुशल उसके परिजनों की गोद में खेल रहा था।

पुलिस ने मासूम के अपहर्ता हेमेन्द्र को गिरफ्तार कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- **महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह ने मुखबिर की मदद से दिव्यांश का पता लगाया, सूचना पुख्ता होते ही आरोपी को दबोच लिया**
- **6 माह से बच्चे के अपहरण की योजना बना रहा था आरोपी, सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सका**
- **पुलिस इस पूरे प्रकरण में आरोपी हेमेंद्र के परिवार की भूमिका भी जांच रही है, ऐसे में बाकी लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।**

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र पिछले 6 महीने से अपने लिए एक बच्चे की किडनैपिंग करने की योजना बना रहा था। उसे बच्चे की चाहत थी। ऐसे में सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन पर भी आरोपी ने बच्चा किडनैप करने की योजना भी बनाई थी। लेकिन इस योजना में आरोपी फेल हो गया। मौका देख कर आरोपी सवाई मानसिंह अस्पताल से ये बच्चा चोरी करने में कामयाब हो गया। हालांकि इस पूरे प्रकरण में हेमेंद्र के परिवार की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। किडनैपिंग के इस प्रकरण में परिवार की भूमिका पाए जाने पर अन्य लोगों को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर बच्चे के मिलने की सूचना मिलने पर परिवार दौसा से जयपुर पहुंचा। बच्चे के दादा कालू, दादी सहित अन्य परिवारजन कमिश्नरेट पहुंचे। पुलिस ने बच्चे को परिवार को सुपूर्द कर दिया। जिसके बाद परिवार खुश नजर आया। बच्चे को पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भीग गई।

एडि. कमिश्नर (फर्स्ट) अजय पाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी हेमेंद्र उर्फ राजू (29) मूलत: नदबई, भरतपुर का रहने वाला है। वह मानसरोवर इलाके में किराए से रहकर दिहाड़ी मजदूरी के लिए रोज मानसरोवर वीटी रोड चौराहे पर जाता था। पिछले चार दिन से वह चौराहे पर नहीं आ रहा था। बच्चा चोरी करने के बाद वह किसी से मिल भी नहीं रहा था।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। तलाश के लिए आमजन को बच्चा चोर का हुलिया जारी किया गया। हुलिए के आधार पर पुलिस को आरोपी राजू के बारे में पता चला। पुलिस ने शनिवार सुबह राजू के मोबाइल नंबर वीटी रोड चौराहे पर खड़े होने वाले उसके साथियों से लिया था। कॉन्टैक्ट करने पर राजू ने खुद को गांव में होने की जानकारी दी। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो वह जयपुर की आई। राजू के घर पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 बजे दबिश दी। घर में दिव्यांश उसकी मां-पत्नी की गोद में खेलता मिला। राजू और बच्चे को पुलिस थाने ले आई। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार में बच्चे की जरूरत थी। इसके चलते उसने एसएमएस हॉस्पिटल से बच्चा दिव्यांश चुराया था।

ज्ञात रहे कि दरअसल, दौसा के कालूराम ने पोते आयुष को 24 जुलाई बांगड हॉस्पिटल को भर्ती करवाया था। उसकी रीढ़ की हड्डी में परेशानी है। इस दौरान मदद के बहाने आरोपी भी कालूराम के साथ हो गया। वो उन्हें खाना लाकर देता था, अस्पताल में दवाई लाना और अन्य काम में मदद करने लगा। बच्चे के दादा-दादी को कॉन्फिडेंस में लिया। बुधवार को खाना खाने के दौरान दादा ने 4 माह के दिव्यांश को आरोपी को दे दिया। इसी का फायदा उठा फरार हो गया।

28 साल तक शिक्षक ने नौकरी की, अब सरकार ने चयन ही अवैध माना

- **याचिका में कहा कि विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया**
- **सेवानिवृत्ति के बाद उसे पेंशन परिलाभ नही दिये गये तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की**
- **अदालत ने बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होने के आदेश दिये**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक की सेवानिवृत्ति के बाद उसके चयन को अवैध मानने पर बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को तीस अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश रामस्वरूप शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 24 अप्रैल, 1990 को बीकानेर जिला परिषद में हुई थी। विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया। वहीं जून, 2018 को वह जयपुर के दूदू से सेवानिवृत्त हो गया। जब उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। इस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों अदालत ने विभाग से जवाब मांगा था। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर हुई थी। शिक्षक ने अप्रैल 199 को जिला स्थापना समिति को अध्यापक चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन संवीक्षा रिपोर्ट पर प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने तक उसकी बीएसटीसी की डिग्री की जांच रिपोर्ट नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं किया गया। वहीं बाद में उसका तबादला बीकानेर से जयपुर में हो गया।

ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में आगे की कार्रवाई नहीं हो पाई। इसके अलावा जयपुर से इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं आने के कारण जिला स्थापना समिति, बीकानेर द्वारा चयन की कार्रवाई नहीं की गई। जवाब में यह भी कहा गया कि याचिका दायर करने के बाद विभाग ने याचिकाकर्ता के डिप्लोमा की जांच के लिए कमेटी गठित की। कमेटी को संबंधित संस्था ने बताया कि प्रयागराज हाईकोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश पर संस्था का रिकॉर्ड सीज होने के कारण याचिकाकर्ता की अंकतालिका का सत्यापन नहीं हो पाएगा। वहीं कमेटी को राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान, कानपुर की रजिस्ट्रार गीता मिश्रा ने बताया कि संस्थान ने याचिकाकर्ता को उपाधि नहीं दी है।

ऐसे में जिला स्थापना समिति ने गत दो अगस्त को याचिकाकर्ता के प्राइमरी टीचर प्रमाण पत्र को वैध नहीं मानते हुए उनका स्थायीकरण नही करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

पिछले चौबीस घंटों में छह सौ नए करोना संक्रमित मिले राजस्थान में

राज्य में शनिवार को सबसे ज्यादा 214 मरीज जयपुर में मिले हैं

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में भारी वृद्धि होने लगी है। शनिवार को राज्य में शुक्रवार के मुकाबले 169 मामले बढ़ने के साथ ही 600 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर तीन हजार के पार हो गए हैं।

प्रदेश में जांचें बढ़ने के साथ ही करोना के मामले बढ़ने लगे हैं। शनिवार को 12 हजार 523 जांचों हुई। इस दौरान 25 जिलों में छह सौ नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 431 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले चौबीस घंटों में यहां सर्वाधिक 214 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जयपुर में संक्रमण की दर 9.41 फीसदी हो गई है। वहीं जोधपुर में आज 55, अलवर में 53, उदयपुर में 45, अजमेर में 38, दौसा में 27, चित्तौड़गढ़ में 25, कोटा में 18, नागौर व सीकर में 17, सिरोही व डूंगरपुर में 14-14, राजसमंद में 11, भीलवाड़ा में 9, जैसलमेर में 8, बीकानेर, धौलपुर, व झालावाड़ में 7-7, बाड़मेर में 4, बांसवाड़ा व सवाई माधोपुर में 3-3, भरतपुर, चूरू, हनुमानगढ़ व पाली में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

प्रदेश में पिछले कई दिनों से रिकवरी कम हो रही है। राज्य में शनिवार को भी केवल 191 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 3016 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1057 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा उदयपुर में 257 और जोधपुर में 222 मरीजों का इलाज चल रहा है। राज्य में शनिवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि इस बीमारी से अब तक 9589 लोगों की जान जा चुकी है।

राजधानी जयपुर में करोना संक्रमण का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते शनिवार को 50 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 40 नए मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। इसके अलावा मानसरोवर में 21, जमवारामगढ़ में 11, कोटपूतली में 10, जगतपुरा व मालवीय नगर में 8-8, वैशाली नगर में 7, दुर्गापुरा, गोपालपुरा व जौहरी बाजार में 5-5, आदर्श नगर, गोविंदगढ़, झोटवाड़ा, शास्त्री नगर व सोड़ाला में 4-4, बनीपार्क, रामगंज व सिरसी में 3-3, आमेर, आमेर रोड, बस्सी, ब्रह्मपुरी, धोलपुरा, जवाहर नगर, जौहरी बाजार व खातीपुरा में 2-2 तथा अजमेर रोड, अजमेरी गेट, बजाज नगर, बापूनगर, सी-स्कीम, चाकसू, सिविल लाइन, चौमू, गलता गेट, घाटगेट, हरमाड़ा, लालकोठी, राजपार्क, रन नगर, रेनवाल, सिरसी रोड, सुभाष चौक, तिलक नगर, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 23 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में सिर्फ 59 मरीज ठीक हुए हैं।

पहले से काम कर रहे अधिकारी को राहत दी हाईकोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। जल संसाधन विभाग में खंडीय लेखाकार के पद पर प्रयागराज से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी ने पद ग्रहण कर लिया, लेकिन राज्य सरकार ने इस पद पर पहले से ही काम कर रहे अधिकारी का तबादला नहीं किया। मामला हाईकोर्ट में आने पर अदालत ने अब पहले से काम कर रहे अधिकारी को पद पर बने रहने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने निदेशक राजकोष और महालेखाकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश यशवंत सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता भावना चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अधिशासी अभियंता जल संसाधन, सीकर में खंडीय लेखाकार के रिक्त पद का काम देख रहा है। कार्यालय महालेखाकार राजस्थान ने गत 2 फरवरी को एजी कार्यालय प्रयागराज के अधीन अलीगढ़ में पदस्थापित भरत सिंह को याचिकाकर्ता के पद पर प्रतिनियुक्ति दे दी। वहीं याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला भी नहीं किया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने निदेशक लेखाकार को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पद पर अन्य अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दर्शाती है कि महालेखाकार कार्यालय ने बिना दिमाग लगाए मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है, जो नियम विरूद्ध है।

पुरुष फोर्स लॉन बॉल में भारत को मिला रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पुरुष फोर्स लॉन बॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया। नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नज़र आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नौ स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य सहित 28 पदक जीत चुका है।

पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान पूजा गहलोत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। पूजा ने कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन कर दो अंक हासिल कर लिये थे, लेकिन पूजा ने बिना समय व्यर्थ किये 12 पॉइंट हासिल किये, जिसके बाद उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया।

दिव्या और मोहित ने जीते कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। दिव्या काकरान (महिला 68) और मोहित ग्रेवाल (पुरुष 125) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत लिए हैं। दिव्या काकरान ने शुक्रवार को टोंगा की टाइगर लिली लेमाली को मात देकर कांस्य पदक जीता। दिव्या ने कांस्य पदक मैच में टाइगर लिली को हराने के लिये सिर्फ 26 सेकंड का समय लिया। दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में 60 पदक जीत चुकी दिव्या ने मैच शुरू होते ही टाइगर लिली को अपनी गिरफ्त में कस लिया और उन्हें चित्त (विन बाई फॉल) करके मुकाबला जीता। मोहित ग्रेवाल ने 125 किग्रा के कांस्य पदक मैच में जमैका के आरोन जॉनसन को चित्त करके कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक 27 पदक जीत चुका है, जिसमें से छह पदक कुश्ती से आये हैं। साथ ही भारत नौ स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत महिला क्रिकेट के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगेज़ (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

आख़िरी ओवर में इंग्लैंड को छह गेंदों में 14 रन बनाने थे। आखिरी ओवर में भारतीय टीम सिर्फ़ तीन फ़ील्डर ही बाहर रख सकती थी क्योंकि धीमें ओवर रेट के कारण उन्हें पेनल्टी मिली थी। स्नेह राणा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर कैथरीन ब्रैंट को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर भारत की जीत का रास्ता खोल दिया। सोफ़ी एकलस्टन ने आखिरी गेंद पर छक्का मारा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत से झूम उठी भारतीय टीम। एक सपना जो उन्होंने देखा था इस टूर्नामेंट से पहले, अब वो उसके काफ़ी क़रीब पहुंच चुकी हैं। आज भारतीय टीम ने जिस तरीक़े से शुरुआत की थी, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि वह इस मुक़ाबले को किस तरह से आगे बढ़ाना चाहती हैं। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने भी लगातार दबाव बनाए रखा लेकिन मैच के आख़िरी पलो में वे भारतीय गेंदबाज़ी के सामने कारगर प्रहार करने में विफल रहीं।

भारतीय टीम की तरफ़ से पहले बल्लेबाज़ी में स्मृति और जेमिमाह ने बढ़िया बल्लेबाजी की और जब गेंदबाज़ी की बारी आई तो सभी स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाज़ी की। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नैटली सीवर ने सर्वाधिक 41 और ओपनर डैनी वायट ने 35 रन बनाये। भारत की तरफ स्नेह राणा के दो विकेटों के अलावा दीप्ति शर्मा ने 18 रन पर एक विकेट लिया।

सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षी बाहर

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को मलेशिया की गोह जिन वी को 2-1 से मात देकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनायी, जबकि आकर्षी कश्यप स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर से हारकर बाहर हो गयीं।

पुसरला वेंकट सिंधु ने गोह को तीन गेमों के मैच में 19-21, 21-14, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ी इससे पहले तीन बार आमने-सामने आ चुके थे और सिंधु ने तीनों बार जीत दर्ज की थी। बर्मिंघम 2022 के मिश्रित टीम फाइनल में भी दोनों ने एक दूसरे का सामना किया था, जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से सीधे गेमों में गोह को मात दी थी।

यहां हालांकि गोह ने अपनी भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर मुकाबला पेश किया। उन्होंने पहला गेम 21-19 से जीता और अगले दो गेमों में भी सिंधु को जीत हासिल करने के लिये बहुत मेहनत करनी पड़ी। सिंधु ने कोर्ट के हर कोने में शॉट खेले और अंतत: गोह तीसरे गेम में बेहद थकी हुई और हतोत्साहित नज़र आयीं। नतीजतन सिंधु ने अगले दो गेम 21-14, 21-18 से जीतते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में कदम रखा।

दूसरी ओर, सिंधु की हमवतन आकर्षी कश्यप को अपने क्वार्टरफाइनल मैच में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर के हाथों 2-0 हार मिली। गिलमोर ने आकर्षी को 21-10, 21-7 के सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

प्रीमियर बैडमिंटन लीग का छठा सीजन 17 दिसंबर से होगा शुरू

नयी दिल्ली, 6 अगस्त। प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) की बहुप्रतीक्षित छठे सीजन के साथ वापसी हो रही है। यह सीजन 17 दिसंबर से 14 जनवरी तक आयोजित होगा। पीबीएल दुनिया की शीर्ष बैडमिंटन लीग्स में से एक है। इसका आयोजन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के तत्वावधान में लीग के आधिकारिक लाइसेंस धारक- स्पोर्टसलाइव द्वारा किया जाता है।

महामारी के कारण लीग का छठा संस्करण दो बार के ब्रेक के बाद आयोजित किया जा रहा है। अब यह लीग एक बार फिर प्रशंसकों के लिए रोमांचक विश्व स्तरीय बैडमिंटन एक्शन लेकर आएगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, हम पीबीएल की वापसी से रोमांचित हैं। यह भारतीय बैडमिंटन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसने देश में खेल के विकास में योगदान दिया है। इसने हमारे युवा खिलाड़ियों को इतने बड़े वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बहुत ही आवश्यक मौका प्रदान किया है, और इसकी वापसी का इंतजार पूरी बैडमिंटन बिरादरी को था। प्रीमियर बैडमिंटन लीग 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से भारतीय बैडमिंटन उत्थान के मामले में एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है।

बीएआई सचिव संजय मिश्रा ने कहा, भारतीय शटलरों को पीबीएल में दुनिया के महानतम खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए बहुत फायदा हुआ है। नवोदित खिलाड़ी सीनियर खिलाड़ियों से घुले-मिले हैं और इससे उनके आत्मविश्वास और अनुभवों में इजाफा हुआ है। मुझे दृढ़ विश्वास है कि लीग आने वाले समय में बहुत अधिक बेंच स्ट्रेंथ बनाने के लिए बीएआई को एक मजबूत मंच प्रदान करेगी। लीग के पिछले पांच संस्करणों में दुनिया के सबसे बड़े नामों जैसे भारतीय सितारों-सायना नेहवाल, पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत के साथ-साथ ओलंपिक चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन, डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन, ताइवान की ताई त्ज़ु-यिंग और मलेशिया के ली चोंग वेई ने हिस्सा लिया है।

स्पोर्टसलाइव के प्रबंध निदेशक प्रसाद मांगिपुडी ने कहा, यह हम सभी के लिए एक कठिन दौर था। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि लोगों ने प्यार किया है और उनका प्यार इस लीग को बैडमिंटन की दुनिया की सबसे बड़े आयोजनों में से एक बनाता है। लीग की शुरुआत से लेकर आज की तारीख तक, भारत में खेल का स्तर काफी ऊपर चला गया है। हम भारत में बैडमिंटन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस प्रकार, प्रीमियर बैडमिंटन लीग की वापसी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम इस सीजन के दौरान प्रशंसकों के लिए हमेशा की तरह रोमांचक खेल का वादा करते हैं। थॉमस कप और राष्ट्रमंडल खेलों में जीते गए पदकों के बाद प्रीमियर बैडमिंटन लीग की वापसी निश्चित रूप से भारतीय बैडमिंटन प्रशंसकों और देश में इस खेल के प्रति रुचि जगाएगी।

निखत, नीतू, पंघाल फाइनल में, जैस्मीन हारी

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी, जबकि जैस्मीन लंबोरिया को हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी।

पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में ज़ाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक जीता था। उनका फ़ाइनल में वेल्स के कियारन मैक्डोनाल्ड से रविवार को मुकाबला होगा। दूसरी ओर, नीतू ने महिला 48 किग्रा सेमीफाइनल में कनाडा की प्रियंका ढिल्लन को मात दी। इस जीत के साथ उन्होंने अपने लिये रजत पदक पक्का कर लिया है। इसी बीच, जैस्मीन को सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जेमा पेज रिचर्टसन के हाथों हार मिली।